(d) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (a) and (b) above. [Placed in Library. *See* No. L.T.81/04]

Re. ANNOUNCEMENT OF INQUIRY AFRESH INTO GODHRA VIOLENCE

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल) : महोदय, ...(व्यवधान)... प्रश्नकाल स्थगित करने का नोटिस डा. जोशी ने दिया था ...(व्यवधान)...

डा. मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश) : सभापति महोदय, जिस मुद्दे पर मैंने प्रश्नकाल स्थगित करने का नोटिस दिया था। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : एक मिनट के लिए बैठ जाएं। ...(व्यवधान)... आप थोड़ा एक मिनट के लिए बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया (झारखंड) : सभापति महोदय, हाउस को ऐडजर्न करने से पहले जिस तरह से ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री जी को सदन में बुलाइए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : एक मिनट बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

डा. मुरली मनोहर जोशी : यह बहुत गंभीर सवाल है जिसमें ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : मैं आपको बुलवाना चाहता हूं, अगर ये लोग बैठ जाएं तो। ...(व्यवधान)... जोशी जी, अगर ये लोग बैठ जाएं तो मैं आपको बुलवाना चाहता हूं। ...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : प्रधान मंत्री जी को बुलाया जाए। ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी (बिहार) : आपके कहने से प्रधान मंत्री आएंगे? ...(व्यवधान)... जिस प्रधान मंत्री को बुलाते थे, वे चले गए। ...(व्यवधान)...

डा. मुरली मनोहर जोशी : सभापति महोदय, इस देश में जो साम्प्रदायिकता का ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री जी आकर बताएं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप बोलिए। इनको बैठा दो। ...(व्यवधान)...

डा. मुरली मनोहर जोशी : निर्वाचित सरकार को समाप्त करने की पूरी कोशिश की जा रही है और उसके लिए षड्यंत्र किए जा रहे हैं, हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। ऐसे कैसे चल सकता है? सारे देश में साम्प्रदायिकता का उन्माद फैलाने की इजाजत कैसे दी जा सकती है? देश की एकता और अखंडता को खतरे में डालने की इजाजत कैसे दी जा सकती है? राजनैतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए इस प्रकार के षड्यंत्र किए जाएं तो इसकी अनुमति किसी हालत में नहीं दी जा सकती। ...(व्यवधान)...

कुछ माननीय सदस्य : प्रधान मंत्री जवाब दें ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : मैं जोशी जी को बोलने की अनुमति दे रहा हूं। आप उन्हें बोलने देना चाहते हैं या नहीं ...(व्यवधान)...

श्री कृपाल परमार (हिमाचल प्रदेश) : प्रधान मंत्री जवाब दें ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री जी को बुलाइए ...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : प्रधान मंत्री जी को सदन में बुलाया जाए ...(व्यवधान)...

श्री राजू परमार (गुजरात) : आप लोग क्या कह रहे हैं ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : गोधरा में इन लोगों ने क्या किया था, जांच के बाद इसका खुलासा होने वाला है ...(व्यवधान)...इसीलिए ये लोग डरे हुए हैं ...(व्यवधान)... इन्होंने स्वयं आग लगवाई थी गोधरा में ...(व्यवधान)... इन्होंने इतना बड़ा दंगा-फसाद करवाया गुजरात में ...(व्यवधान)...

कुछ माननीय सदस्य : प्रधान मंत्री सदन में आकर जवाब दें ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : इन लोगों ने गोधरा में दंगा-फसाद करवाया था ...(व्यवधान)...

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़) : सभापति महोदय, अगर ये ऐसा करेंगे तो सदन कैसे चलेगा ...(व्यवधान)...

श्री कृपाल परमार : प्रधान मंत्री जी को बुलाया जाए ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप लोग यह नारा लगाइए कि डा. मुरली मनोहर जोशी को नहीं बोलने देंगे ...(व्यवधान)... हो गया, जाइए आप, वापस जाइए ...(व्यवधान)... आप लोग अपनी सीटों पर चले जाएं तो अच्छा होगा ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : ऐसे नहीं चलेगा...(व्यवधान)... तहलका वालों ...(व्यवधान)... इन्होंने गोधरा में ...(व्यवधान)...

श्री कृपाल परमार : प्रधान मंत्री हाउस में आकर जवाब दें ...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : महोदय, प्रधान मंत्री को यहां बुलाइए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप बैठ जाइए... बैठ जाइए ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : आप अटल बिहारी जी से जवाब मांगिए, आप उनसे जवाब मांगिए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned at eleven minutes past twelve of the clock.

The House re-assembled after lunch at two of the clock,
THE VICE-CHAIRMAN (SHRI DINESH TRIVEDI) in the Chair.

श्री एस. एस. अहलुवालिया : उपसभाध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI DINESH TRIVEDI) : After Special Mentions, we have the General Budget 2004-05...*(Interruptions)*... Please, sit down. इस बारे में कोई नोटिस नहीं आया है। ...(व्यवधान)... अहलुवालिया साहब, पहले स्पेशल मेन्शन्स और फिर जनरल बजट लेंगे। ...(व्यवधान)... मेहरबानी करके बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : महोदय, ...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री दिनेश त्रिवेदी) : आप क्यों उठ रहे हैं? आप तो बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... पहले स्पेशल मेन्शन्स और फिर जनरल बजट लेंगे। ...(व्यवधान)... देखिए, आप स्पेशल मेन्शन्स कर लीजिए क्योंकि आपका कोई नोटिस तो आया नहीं है। ...(व्यवधान)... आप बैठिए, आप बैठिए। ...(व्यवधान)... देखिए, यह मसला आप कल भी उठा सकते हैं। ये स्पेशल मेन्शन्स आप ही के हैं। ...(व्यवधान)... आप यह मसला कल उठा सकते हैं। आज जनरल बजट भी डिसकस करना है। ...(व्यवधान)... आप जरा अपनी सीट पर जाइए। ...(व्यवधान)... The House is adjourned till 11 o'clock on Friday, the 16th July 2004.

The House then adjourned at two minutes past two of the clock till eleven of the clock on Friday, the 16th July 2004.

MGIPMRND—1635RS—21-09-2004.